हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम की महिमा हो!
आपका हार्दिक स्वागत है जब हम मिलकर यह जानने चलते हैं कि बाइबल नया जन्म लेने के बारे में क्या सिखाती है —
एक ऐसी सच्चाई जो मसीही उद्धार के केंद्र में है।

भजन संहिता 119:105 कहती है:

“तेरा वचन मेरे पाँव के लिए दीपक और मेरे मार्ग के लिए
उजियाला है।”

आईए हम इस महत्वपूर्ण विषय में गहराई से उतरते हैं —
उस वार्तालाप को देखकर जो यीशु ने एक धार्मिक अगुवा, निकुदेमुस, के साथ की थी।

मुलाक़ात: यीशु और निकुदेमुस
यूहन्ना 3:1–5

1 फरीसियों में से एक मनुष्य था, निकुदेमुस नाम का, यहूदियों

का एक सरदार।
2 वह रात को यीशु के पास आया और उससे कहा, “रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से आया हुआ गुरु है; क्योंकि कोई भी व्यक्ति वे आश्चर्यकर्म नहीं कर सकता जो तू करता है, यदि परमेश्वर उसके साथ न हो।”
3 यीशु ने उत्तर दिया, “मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, जब तक कोई नया जन्म न ले, वह परमेश्वर के राज्य को देख नहीं सकता।”
4 निकुदेमुस ने उससे कहा, “एक मनुष्य जब बूढ़ा हो गया हो तो कैसे जन्म ले सकता है? क्या वह दूसरी बार अपनी माता के गर्भ में प्रवेश करके जन्म ले सकता है?”
5 यीशु ने उत्तर दिया, “मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, जब तक कोई जल और आत्मा से जन्म न ले, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।”

नया जन्म लेना वास्तव में क्या है?
निकुदेमुस यह समझता था कि आश्चर्यकर्म परमेश्वर के साथ संबंध का प्रमाण हैं।
लेकिन यीशु ने एक गहरी बात बताई — कि उद्धार के लिए पूर्ण आत्मिक पुनर्जन्म आवश्यक है।

यह जन्म कोई प्रतीकात्मक या धार्मिक कर्मकांड नहीं है — बल्कि यह एक आंतरिक और वास्तविक परिवर्तन है, जो ऊपर से होता

है।

ग्रीक में यह शब्द है γεννηθῇ ἄνωθεν (gennēthē anōthen) — जिसका अर्थ है “ऊपर से जन्म लेना।”

बाइबल में इस सच्चाई की पुष्टि और भी जगहों पर होती है:

2 कुरिन्थियों 5:17

“इसलिए यदि कोई मसीह में है, तो वह नया प्राणी है; पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब कुछ नया हो गया है।”

जल और आत्मा से जन्म — इसका क्या अर्थ है?
यीशु ने कहा कि मनुष्य को “जल और आत्मा” से जन्म लेना चाहिए। इसका अर्थ है मसीही परिवर्तन के दो पहलू:

जल से जन्म —
यह जल बपतिस्मा को दर्शाता है, जो पश्चाताप और पापों की शुद्धि का बाहरी चिन्ह है।

प्रेरितों के काम 2:38

“पतरस ने उनसे कहा, ‘तौबा करो, और तुममें से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो, ताकि तुम्हारे पाप क्षमा किए जाएँ,
और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओ।’”

आत्मा से जन्म —
यह पवित्र आत्मा के द्वारा हृदय में आंतरिक नया जीवन उत्पन्न होना है।
वही आत्मा हमें नया मन, नई इच्छाएँ और पवित्र जीवन जीने की सामर्थ्य देता है।

तीतुस 3:5

“उसने हमारा उद्धार किया — न कि हमारे धर्म के कामों के कारण, बल्कि अपनी दया के अनुसार — नये जन्म और पवित्र आत्मा द्वारा किए गए नवीनीकरण के द्वारा।”

आत्मिक बनना — एक नई पहचान
नया जन्म लेना मतलब है — परमेश्वर से जन्म लेना, और एक नया मनुष्य बन जाना।

यीशु ने कहा:

यूहन्ना 3:6

“जो शरीर से जन्मा है वह शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है वह आत्मा है।”

यह हमारे पुराने पापी स्वभाव और आत्मा से मिले नए जीवन के बीच का अंतर स्पष्ट करता है।

“आध्यात्मिक” होना केवल भविष्यवाणी या चमत्कार दिखाने से सिद्ध नहीं होता,
बल्कि पाप पर जय पाने वाले बदले हुए जीवन से होता है।

1 यूहन्ना 5:4

“क्योंकि जो कोई परमेश्वर से जन्मा है, वह संसार पर जय पाता है; और वह जय है जो संसार पर जय पाती है — हमारा विश्वास।”

1 यूहन्ना 3:9

“जो कोई परमेश्वर से जन्मा है, वह पाप नहीं करता, क्योंकि परमेश्वर का बीज उसमें बना रहता है; और वह पाप कर ही नहीं सकता, क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है।”

क्या चमत्कार उद्धार का प्रमाण हैं?
चमत्कार दिखा सकते हैं कि परमेश्वर किसी के द्वारा कार्य कर रहा है,
लेकिन वे उद्धार का सबसे बड़ा प्रमाण नहीं हैं।

यीशु ने चेतावनी दी:

मत्ती 7:22–23

“उस दिन बहुत लोग मुझसे कहेंगे: ‘हे प्रभु, हे प्रभु, क्या
हमने तेरे नाम से भविष्यवाणी नहीं की? और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नहीं निकाला? और तेरे नाम से बहुत से आश्चर्यकर्म नहीं किए?’
तब मैं उन्हें स्पष्ट कह दूँगा: ‘मैंने तुम्हें कभी नहीं
जाना; हे कुकर्म करनेवालों, मेरे पास से चले जाओ।’”

सच्चा प्रमाण यह है कि कोई नये जन्म से बदला हुआ जीवन जी रहा हो

—

पवित्र आत्मा द्वारा एक नया जीवन।

सबसे महत्वपूर्ण बात क्या है?
धार्मिक पहचान, अच्छे काम, और आत्मिक वरदानों का अपना स्थान है, लेकिन ये नया जन्म लेने की आवश्यकता की पूर्ति नहीं कर सकते।

बिना नए जन्म के कोई भी परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

गलातियों 6:15

“क्योंकि न खतना कुछ काम का है, न खतनारहित होना, केवल नई सृष्टि ही सब कुछ है।”

1 पतरस 1:23

“क्योंकि तुम नाशवान नहीं, पर अमर बीज से — परमेश्वर के जीवते और स्थिर वचन के द्वारा — नये सिरे से जन्मे हो।”

क्या तुम नया जन्म ले चुके हो?
केवल बाहरी तौर पर नहीं — बल्कि क्या तुम्हारे दिल में परमेश्वर ने सच्चा कार्य किया है?

यदि नहीं, तो आज यीशु की ओर विश्वास से मुड़ो।
अपने पापों का पश्चाताप करो,
उसके नाम में बपतिस्मा लो,
और पवित्र आत्मा से नया जीवन मांगो।

यही तुम्हारे परमेश्वर के साथ चलने की सच्ची शुरुआत है।

प्रभु तुम्हें आशीष दे और मसीह में पूर्ण जीवन की ओर अगुवाई करे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp